EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter)
Patron: Prof. R. G. Kothari
Chief Editor: Prof. Jignesh B. Patel
Email:- Mo. 9429429550 ctefeduinspire@gmail.com

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षक-शिक्षा का विकास एवं कला-एकीकृत शिक्षा : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्रा. मंगेश हरिभाऊ शेंडे
केशरबाई शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, अचलपूर

सार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन लाने वाली एक ऐतिहासिक नीति है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, बहुविषयक तथा अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करना है। प्रस्तुत शोध-पत्र में शिक्षक-शिक्षा के विकास तथा कला-एकीकृत शिक्षा के मध्य संबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ कि चार वर्षीय एकीकृत बी.एड. (ITEP), सतत व्यावसायिक विकास (CPD), राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NPST) तथा डिजिटल प्रशिक्षण जैसे प्रावधान शिक्षक-शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करते हैं। साथ ही कला-एकीकृत शिक्षा विद्यार्थियों की रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता, आलोचनात्मक चिंतन तथा सामाजिक-भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करती है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित, नवाचारी तथा कला-संवेदनशील शिक्षक अत्यंत आवश्यक हैं।

मुख्य शब्द (Keywords) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020,शिक्षक-शिक्षा, कला-एकीकृत शिक्षा,ITEP,CPD,NPST, अनुभवात्मक शिक्षण

प्रस्तावना :

भारत की शिक्षा व्यवस्था सदैव समाज निर्माण का आधार रही है। समय के साथ शिक्षा परीक्षा-केंद्रित एवं रटने की प्रवृत्ति तक सीमित होती गई। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन एवं व्यावहारिक कौशल का अपेक्षित विकास नहीं हो सका। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी शिक्षा व्यवस्था तथा शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास (Holistic Development) पर आधारित थी, किंतु आधुनिक शिक्षा प्रणाली मुख्यतः रटने एवं परीक्षा-केंद्रित हो गई। इन कमियों को दूर करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने **29 जुलाई 2020** को **राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP 2020)** की घोषणा की। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 29 जुलाई 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की। यह नीति शिक्षा को बहुविषयक, समावेशी, लचीला तथा अनुभवात्मक बनाने पर बल देती है। नीति में शिक्षक-शिक्षा तथा कला-एकीकृत शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की आधारशिला माना गया है। २१ वी सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए वर्तमान शिक्षक-शिक्षा प्रणाली पर्याप्त नहीं है। साथ ही विद्यार्थियों के संज्ञानात्मक (Cognitive) एवं सामाजिक-भावनात्मक (Socio-emotional) विकास हेतु शिक्षण पद्धति (Pedagogy) में परिवर्तन आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नीति में **कला-एकीकृत शिक्षा (Art Integrated Learning - AIL)** को एक प्रभावी शिक्षण रणनीति के रूप में अपनाने की अनुशंसा की गई है।

अध्ययन के उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षक-शिक्षा संबंधी प्रावधानों का अध्ययन करना।
कला-एकीकृत शिक्षा की अवधारणा एवं विशेषताओं का विश्लेषण करना।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

शिक्षक-शिक्षा एवं कला-एकीकृत शिक्षा के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन करना।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की चुनौतियों एवं संभावनाओं का विश्लेषण करना।

प्रभावी क्रियान्वयन हेतु व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत करना।

अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

यह अध्ययन गुणात्मक (Qualitative) एवं विश्लेषणात्मक (Analytical) स्वरूप का है।

अनुसंधान प्रकार: वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक

तथ्य संग्रहण: द्वितीयक स्रोत

स्रोत:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

NCERT दिशानिर्देश

शोध-पत्र

पुस्तकें

सरकारी दस्तावेज

शोध जर्नल

वेबसाइट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षक-शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षक-शिक्षा में निम्नलिखित प्रमुख सुधारों पर बल देती है—

चार वर्षीय एकीकृत बी.एड. (ITEP)

बहुविषयक विश्वविद्यालयों में शिक्षक-शिक्षा

प्रत्येक वर्ष 50 घंटे CPD प्रशिक्षण

NPST का विकास

DIKSHA एवं SWAYAM के माध्यम से डिजिटल प्रशिक्षण

गुणवत्तापूर्ण शिक्षक तैयार करना

कला-एकीकृत शिक्षा की अवधारणा

कला-एकीकृत शिक्षा ऐसी शिक्षण प्रक्रिया है जिसमें कला को केवल एक विषय न मानकर विभिन्न विषयों के शिक्षण का माध्यम बनाया जाता है। इसमें—

चित्रकला

संगीत

नाटक

लोककला

नृत्य

कठपुतली

मृदा कला

फोटोग्राफी

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

जैसी कलाओं का उपयोग करके शिक्षण को रोचक, रचनात्मक एवं अनुभवात्मक बनाया जाता है।

शिक्षक-शिक्षा एवं कला-एकीकृत शिक्षा का संबंध दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

शिक्षक की भूमिका : शिक्षक ज्ञान देने वाला नहीं बल्कि सीखने की प्रक्रिया का मार्गदर्शक बनता है। कला-एकीकृत शिक्षा में शिक्षक ज्ञान थोपने के बजाय विद्यार्थियों को कला के माध्यम से ज्ञान की खोज करने हेतु प्रेरित करता है। इसके लिए शिक्षक का स्वयं रचनात्मक (Creative) होना आवश्यक है।

नवीन पाठ योजना : शिक्षक कला के माध्यम से कठिन विषयों को सरल बनाता है। नए शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम (ITEP) में शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाता है कि विज्ञान के जटिल सिद्धांतों अथवा गणितीय सूत्रों को नाटक, गीत अथवा अन्य कलात्मक माध्यमों से सरल एवं प्रभावी ढंग से कैसे पढ़ाया जाए।

मूल्यांकन : CCE एवं PARAKH जैसी मूल्यांकन प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जाता है। कला-आधारित शिक्षण में केवल पारंपरिक लिखित परीक्षा पर्याप्त नहीं होती। इसलिए शिक्षकों को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) तथा **PARAKH** जैसी नवीन मूल्यांकन प्रणालियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास

रचनात्मकता

आलोचनात्मक चिंतन

आत्मविश्वास

सहयोगात्मक अधिगम

संप्रेषण कौशल का विकास होता है।

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। शिक्षक-शिक्षा में किए गए सुधारों से सक्षम एवं उत्तरदायी शिक्षक तैयार होंगे, जबकि कला-एकीकृत शिक्षा विद्यार्थियों के मानसिक, भावनात्मक एवं सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करते हुए उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रमुख सुझाव

विद्यालयों में स्थानीय लोककलाकारों को **अतिथि शिक्षक (Visiting Faculty)** के रूप में नियुक्त किया जाए।

प्रत्येक तहसील एवं जिला स्तर पर शिक्षकों के लिए नियमित **कला-एकीकृत शिक्षा कार्यशालाओं** का आयोजन किया जाए।

डिजिटल माध्यमों के द्वारा कला-आधारित पाठ योजनाओं (Lesson Plans) का समृद्ध भंडार शिक्षकों के लिए उपलब्ध कराया जाए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षक-शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करती है।

ITEP कार्यक्रम भविष्य के शिक्षकों को अधिक सक्षम बनाता है।

कला-एकीकृत शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में प्रभावी सिद्ध होती है।

शिक्षक प्रशिक्षण के बिना कला-एकीकृत शिक्षा का प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं है।

ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों एवं प्रशिक्षण की कमी प्रमुख चुनौती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की समस्याएँ

यद्यपि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एक प्रगतिशील नीति है, तथापि इसके प्रभावी क्रियान्वयन में अनेक चुनौतियाँ विद्यमान हैं—

ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं एवं कला-सामग्री का अभाव।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

कार्यरत शिक्षकों में कला-आधारित शिक्षण के प्रति सीमित रुचि तथा पर्याप्त प्रशिक्षण का अभाव।

सभी शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालयों को बहुविषयक संस्थानों में परिवर्तित करने हेतु पर्याप्त वित्तीय संसाधनों एवं योग्य प्राध्यापकों की कमी।

निष्कर्ष एवं सुझाव : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। शिक्षक-शिक्षा में किए गए सुधारों से सक्षम एवं उत्तरदायी शिक्षक तैयार होंगे, जबकि कला-एकीकृत शिक्षा विद्यार्थियों के मानसिक, भावनात्मक एवं सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करते हुए उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

प्रमुख सुझाव

विद्यालयों में स्थानीय लोककलाकारों को **अतिथि शिक्षक (Visiting Faculty)** के रूप में नियुक्त किया जाए।

प्रत्येक तहसील एवं जिला स्तर पर शिक्षकों के लिए नियमित **कला-एकीकृत शिक्षा कार्यशालाओं** का आयोजन किया जाए।

डिजिटल माध्यमों के द्वारा कला-आधारित पाठ योजनाओं (Lesson Plans) का समृद्ध भंडार शिक्षकों के लिए उपलब्ध कराया जाए।

संदर्भ

भारत सरकार (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

NCERT (2020). Arts Integrated Learning: Guidelines, नई दिल्ली।

थिगळे, राजेंद्र चंदकांत. शाश्वत विकास के लिए शिक्षा : एक दिशा, भारतीय शिक्षण, 2008

डॉ. सागर शिवाजी. विद्यालयी शिक्षा का प्रबंधन एवं गुणवत्ता।

Teacher's Welfare is Nation's Welfare
CTEF
Council for Teacher Education Foundation
ESTD. 1985